

तारों की परी – कल्पना चावला

कल्पना चावला
अंतरिक्ष में जाने वाली
पहली भारतीय महिला
थीं।



उन्होंने अपनी पहली
उड़ान में **6.5 करोड़**
किलोमीटर की यात्रा
की

बहुत समय पहले, **17 मार्च 1962** को हरियाणा के करनाल में एक प्यारी-सी बच्ची पैदा हुई।
उसका नाम था – कल्पना चावला।

कल्पना को बचपन से ही आसमान में उड़ते जहाज और चमकते तारे बहुत अच्छे लगते थे।
वह कहती – “एक दिन मैं भी तारों में उड़ूँगी।”

सब कहते – “लड़कियाँ अंतरिक्ष यात्री नहीं बन सकतीं।”
लेकिन कल्पना ने हार नहीं मानी।

उन्होंने खूब पढ़ाई की, इंजीनियर बनीं और अमेरिका जाकर नासा (NASA) में शामिल हो गईं।

सन् **1997** में कल्पना पहली बार अंतरिक्ष में गईं और भारत का नाम पूरे संसार में चमका दिया।

बच्चों, सोचो – एक लड़की करनाल से निकलकर सच में तारों की परी बन गईं!

दुर्भाग्य से, **1 फरवरी 2003** को जब वे दूसरी बार अंतरिक्ष से लौट रही थीं,
तो उनका अंतरिक्ष यान कोलंबिया दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वे हमेशा के लिए तारों के बीच
खो गईं

“Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID - edubrightpages@ybl. Every contribution counts. Thank you!”

- [To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332](https://www.whatsapp.com/channel/0029va333333333333333333)